# वार्तालाप सं.528, दिनांक 4.3.08, कलकत्ता
# Disc.CD No.528, dated 4.3.08 at Calcutta

**समयः 20.35-22.30**

**जिज्ञासुः** बाबा, वैष्णवी देवी का आह्वान करने के लिए अव्यक्त वाणी में बोला है। तो वैष्णो देवी के आह्वान हिसाब से अगर हम उसको एक कैसेट बनाएं कि हे वैष्णो देवी महान आत्मा, आप को रुद्रमाला के हर एक मणके, हर एक आत्मा आह्वान कर रहे हैं। ऐसे रिकार्डिंग अगर कैसेट में किया जाए या उसको संगठन में दिया जाए तो ठीक रहेगा क्या?

**बाबाः** करके देखो।

**जिज्ञासुः** करके रखा है। तो सारे संगठन में मतलब इसको दिया जा सकता है क्या?

**बाबाः** तो ठीक है, सब ठीक बात है। लेकिन वो जो कुछ भी करेंगे, उसका रिजल्ट क्या आयेगा? देहधारी की याद आयेगी, स्पेशल देहधारी की याद आयेगी या निराकार की याद आयेगी? किसकी याद आयेगी?

**Time: 20.35-22.30**

**Student:** Baba, it has been said in the Avyakt vani that we should invoke Vaishnavi Devi. So, in order to call Vaishnavi Devi if we prepare a cassette [saying]: O great soul Vaishno Devi, every bead, every soul of Rudramala is invoking you. I mean to say if we record this in a cassette or give it in the *sangathan* (gathering), will it be ok?

**Baba:** Do it and see.

**Student:** It is ready. So, I mean to ask can we give this in the entire gathering.

**Baba:** OK, everything is fine, but whatever you do, what will be its result? Will you be reminded of the bodily being, will you be reminded of the special bodily being or will you be reminded of the incorporeal one? Who will you be reminded of?

**जिज्ञासुः** बाबा का चित्र होगा।

**बाबाः** चित्र बाबा का होगा?

**जिज्ञासुः** बाबा का चित्र होगा।

**बाबाः** जैसे ब्रह्माकुमारियां ब्रह्माबाबा का चित्र सामने रखती हैं और याद शिवबाबा को करती हैं। तो फिर याद उसको कौन आया? जिसका चित्र सामने रखा वो याद आया या निराकार शिवबाबा याद आया? (किसी ने कहा – ब्रह्मा बाबा) अरे, चित्र किसलिये बनाया जाता है? चित्र बनाया जाता है चित्रण करने के लिए। चित्र बनाया जाता है महिमा गाने के लिए। चित्र जो बनाया जाता है याद करने के लिए बनाया जाता है। महिमा, पूजन । यादगार बनाई जाती है, किसलिए बनाई जाती है? याद तो आयेगा। जो आँखों से देखेंगे वो याद जरूर आयेगा।

**Student:** There will be Baba's picture (in it).

**Baba:** Will there be Baba's picture?

**Student:** There will be Baba's picture.

**Baba:** Just as Brahma kumaris keep the picture of Brahma Baba in front of them and remember Shivbaba. So, then whom did they remember? Did they remember the picture which they kept in front of them or did they remember the incorporeal Shivbaba? (Someone said: Brahma Baba).



Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Arey, why are pictures prepared? Pictures are prepared for depiction. Pictures are prepared to sing the glory. Pictures are prepared to remember [someone]. [Pictures] are prepared for glory, worship. A memorial is prepared, why are they prepared? It will at least be remembered. Whatever you see through the eyes will certainly be remembered.

**समयः** 23.07-25.20

**बाबाः** आप कुछ और पूछना चाहते थे।

**जिज्ञासुः** वही बात मैं पूछना चाहता था कि बाबा का चित्र होगा।

**बाबाः** चित्र तो ब्रह्माकुमारियों ने ब्रह्मा बाबा का रखा।

**जिज्ञासुः** वो ठीक है। लेकिन बाबा के भृकुटी के बीच में हम शिव को याद करेंगे और वैष्णों देवी का हम आह्वान करेंगे। और उसके लिखत जो है, कैसेट के नीचे तो लिखत निकलता रहेगा। वीडियो और आडियो दोनों होता रहेगा।

**बाबाः** आडियो वीडियो दोनों होता रहेगा?

**जिज्ञासुः** हां, जी।

**Time:** 23.07-25.20
**Baba:** You wanted to ask something else.
**Student:** I wanted to ask this thing that there will be a picture of Baba.
**Baba:** Brahma kumaris kept the picture of Brahma Baba.
**Student:** That is alright. But we will remember Shiv in the middle of Baba's forehead and we will invoke Vaishno Devi. And below that, below the cassette (i.e. in the lower portion of the TV screen) there will be a scrolling subtitle. Video and audio will be played simultaneously.
**Baba:** Will both audio and video be played simultaneously?
**Student:** Yes.

**बाबाः** तो आँखों से जो देखेंगे वो ज्यादा याद आयेगा या कानों से जो सुनेंगे वो ज्यादा याद आयेगा? ज्यादा याद कौनसा आता है? आँखों से देखी हुई चीज़ ज़्यादा याद आती है या कानों से सुना हुआ ज़्यादा याद आता है? फिर क्या करेंगे? (जिज्ञासु ने कुछ कहा) हाँ, याद किया वैष्णो देवी को लेकिन याद तो आया नहीं। याद वो ही आयेगा जो चित्र सामने रखा हुआ है। और वो तो गूंजी विनाश की वाणी फिर भी कितनी कल्याणी। तो वो तो कान में वैसे भी गूंजती है। सुबह से लेकर शाम तक अपने-अपने घरों में जहाँ गीतापाठशालाएं हैं या नहीं भी हैं, वो कौनसा रिकार्ड चालू रहता है? (सबने कहा – बाबा का ही) बाबा की वाणी सुनते रहते हैं और क्या सुनते हैं? तो वाणी सुन सुन करके रुद्रमाला के मणके विनाश का काम करने वाले हैं उस वाणी से या स्थापना का काम करने वाले हैं? (किसी ने कहा – स्थापना) स्थापना का काम करने वाले हैं? जो सुनाने वाला मुखिया है उसके लिए गायन कर दिया है गूंजी विनाश की वाणी। अरे, रुद्र माला के मणके महाभारत युद्ध में विशेष काम करने वाले बनेंगे या स्थापना में काम करने वाले विशेष बनेंगे? क्या करेंगे? (किसी ने कहा – विनाश का काम) हां, जी। नम्बरवार हैं। एक धर्म से कनेक्टेड नहीं हैं।



Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

**Baba:** So, will all that you see through the eyes be remembered more or will all that you listen through the ears be remembered more? Which one will be remembered more? Is anything seen through the eyes remembered more or is anything heard through the ears remembered more? Then what will you do? (Student said something) Yes, you remembered Vaishno Devi, but she did not [really] come to your mind. Only the picture that is placed in front of you will be remembered. And that is *gunji vinash ki vaani phir bhi kitni kalyani* (the resounding sounds of destruction are so beneficial). It reverberates in the ears anyway. Which record is played in your homes, whether they are *Gitapathshalas* or not, from the morning to evening? (Everyone said: Baba's) You keep listening to Baba's vani; you don't listen to anything else. So, do the beads of the rosary of Rudra perform the task of destruction or do they perform the task of establishment after listening to those words? (Someone said: Establishment) Do they perform the task of establishment? 'The resounding sounds of destruction…' this has been praised about the chief/leader who narrates [knowledge]. Arey, will the beads of the rosary of Rudra play a special task in the war of Mahabharata or will they become instruments especially in bringing about establishment? What will they do? (Someone said: the task of destruction). Yes, they are *number wise* (according to their capacity). They are not connected to the same religion.

**समयः 25.22-27.02**

**जिज्ञासुः** कोलकत्ता आवाज़ फैलायेगा...

**बाबाः** बिल्कुल।

**जिज्ञासुः** आवाज़ फैलायेगा वास्तव में कौन?

**बाबाः** आवाज़ वो ही फैलायेगा जिसकी आवाज़ बुलंद हो। ज्ञान से भरी-पूरी हो। दुनिया में अज्ञान की आवाज़ बुलंद होगी या ज्ञान की आवाज़ बुलंद होगी? (सबने कहा – ज्ञान की आवाज़) ये तो बी.के. में नालेज सुनाई जा रही है। सुनाई जा रही है कि नहीं? आवाज़ तो है? जो बड़े-बड़े चैनल्स हैं इंडिया के उनमें वो आवाज़ गूंज रही है कि नहीं गूँज रही है? (किसी ने कुछ कहा।) गूँज रही है? प्रभाव हो रहा है? कोई प्रभाव नहीं हो रहा है और एडवांस में भी आवाज़ गूँज रही है। उसका प्रभाव हो रहा है कि नहीं हो रहा है? उसका प्रभाव हो रहा है।

**Time: 25.22-27.02**
**Student:** Kolkata will spread the sound.....
**Baba:** Definitely.
**Student:** Who will spread the sound actually?
**Baba:** Only the one whose voice is loud (i.e. effective) and full of knowledge will spread the sound. Will the sound of ignorance be heard loudly in the world or will the sound of knowledge be heard loudly in the world? (Everyone said: The sound of knowledge) Knowledge is being narrated among the BKs. Is it being narrated or not? It is a sound, [isn't it]? Is the sound resounding in the big (TV) channels of India or not? Is it having any influence? There is no influence. And it is reverberating even in the advance party. Is it having any influence or not? It is having an influence.

एक है सच्चाई की वाणी और एक है भक्ति अर्थात् अज्ञान की वाणी। प्रभाव ज़्यादा किसका होगा? (किसी ने कहा – ज्ञान की वाणी का) ज्ञान का प्रभाव होगा। वहाँ लाखों रुपया, करोड़ों रुपया खर्च किया जाता है। तब बड़े-बड़े प्रोग्राम होते हैं। और यहाँ कोई खर्चा पानी नहीं। आटोमेटिक सारा काम चल रहा है। आटोमेटिक एडवर्टाइजमेंट हो रहा है। (किसी ने कुछ कहा) किसने? तो समझ


Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

लो वो किस धर्म के होंगे? अभी यहाँ मनाने करने का टाइम चल रहा है या कर दिखाने का टाइम चल रहा है? (किसी ने कहा – करके दिखाने का) ये ज्ञानी आत्माएं कभी मनाती करती नहीं हैं कि भई शिवरात्रि आ गई तो शिवरात्रि में हम कुछ मनायें। जश्न मनायें। खुशी मनायें। नहीं। हमारी तो रोज़ ही शिवरात्रि है।

One is the version of truth and another one is *bhakti*, i.e. version of ignorance. Which one will have more effect? (Someone said: The version of knowledge) Knowledge will have [more] influence. There they spend hundred thousands, millions of rupees. Only then are big programs organized there. And here there is no expenditure. Automatically all the tasks are being performed. Automatic advertisement is going on. (Someone said something) Who? Then you can understand which religion they belong to. Now is it a time to celebrate or to set an example? (Someone said: It is the time to set an example). Knowledgeable souls do not celebrate anything [physically] [thinking] that it is *Shivratri,* they too should celebrate and feel joyful. No. For us every day is Shivratri.

**समयः 27.02-28.22**

**जिज्ञासुः** शिवरात्रि में लास्ट में शिव पूजा होता है बारह बजे। तो चार प्रहर शिवलिंग में जल देता है। चार प्रहर पूजा होता है। इसका मतलब क्या है?

**बाबाः** तो चार बार शूटिंग नहीं होती है? अरे संगमयुग में चार बार शूटिंग होती है कि नहीं? होती है। जो गीता है उसमें लिखा है संभवामि युगे-युगे। हर युग में जन्म लेता है कि नहीं? ऐसे ही लिख दिया? लेता है। कौनसा? स्थूल जन्म थोड़े ही लेता है। संभवामि युगे-युगे का मतलब है कि संगमयुग में चार युगों की शूटिंग होती है। चार युगों की शूटिंग में चार बार विशेष रूप से प्रत्यक्ष होता है। तो जब-जब प्रत्यक्ष होगा, जब-जब बच्चा पैदा होगा तो नहलायेंगे-धुलायेंगे नहीं? तो भक्त लोग नहलाते हैं। स्नान कराते हैं।

**Time: 27.02-28.22**

**Student:** On Shivratri, Shiv is worshipped in the last at midnight. They pour water on the *Shivling* for four hours. What is meant by it?

**Baba:** So, doesn't shooting take place four times? Arey, does shooting take place four times in the Confluence Age or not? It takes place. It has been written in the Gita : *Sambhavami yugey-yugey* (I come in every *Yuga*). Does He take birth in every Yuga or not? Or have they simply written this? He does take birth. Which kind of birth? He does not take a physical birth. *Sambhavami yugey-yugey* means that the shooting of four ages (*Yuga*) takes place in the Confluence Age. He is revealed in a special way in the shooting of the four ages. So, every time He is revealed, whenever the child takes birth, will he not be bathed? Hence, the devotees (pour water to) bathe him. They bathe him.

**समयः 44.47-51.44**

**जिज्ञासुः** बाबा आपने लक्ष्य दिया है नर से नारायण बनने के लिए। और सीढ़ी का जो चित्र है, उसमें भारत को बेगर के रूप में दिखाया है और कहा गया वो बेगर टू प्रिंस बनेगा। तो राजा बनना चाहिए प्रिंस तो नहीं बनना चाहिए।



Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

**Time: 44.47-51.44**
**Student:** Baba, you have set a target for us to change from a man to Narayan. And in the picture of ladder *Bharat* has been shown in the form of a beggar and it has been said that he will change from a beggar to prince. So, he should become a king; he shouldn't become a prince?

**बाबाः** ऐसी दुनिया की कोई बात नहीं जो तेरे पर लागू न होती हो। माने सारी सृष्टि की एक बीज रूप आत्मा ऐसी है उसपे हर बात लागू हो जाती है। प्रिंस बनने वाली बात भी लागू हो जाती है और नर से नारायण डायरेक्ट बनने वाली बात भी लागू हो जाती है। प्रिंस बनने वाली बात बेहद की है। सन 76 में एडवांस ज्ञान होता है प्रत्यक्ष बुद्धि में। और 76-77 से लेकर के वो 5 इयर प्लान शुरू होता है। किसके लिए? बेगर भारत के लिए। माना सन 76-77 में वो आत्मा उसके पास... बेगर का मतलब क्या बताया? जिसके पास कुछ भी न हो। न घर न बार, न संबंधी, न संपर्की, कोई ताकत नहीं दुनिया की। उसको कहते हैं बेगर। बेघर। ऐसे तुम बेगर टू प्रिंस बनते हो।
**Baba:** There is nothing in this world that is not applicable to you. It means that there is such a seed-form soul in the entire world on which everything is applicable. The aspect of becoming a prince is also applicable and the aspect of becoming man (*nar*) to Narayan directly is also applicable. The aspect of becoming a prince is in an unlimited sense. The advance knowledge is revealed in the intellect in the year 1976. And from 76-77 that five year plan begins. For whom? For the beggar *Bharat*. It means that in 1976-77 the particular soul…; what was mentioned as the meaning of a beggar? He, who has nothing, neither home, nor relatives, nor contacts, no power of the world; he is called a beggar. *Beghar* (homeless). You change from such a beggar to a prince.

सन 77 संपूर्णता वर्ष हुआ और उससे लेकरके काउंट करो पांच साल। कितने साल हुए? (किसी ने कहा – 83) हां बयासी आता है – ऐटी टू (82) माना 82 आते-आते वो ऐसा संगठन का किला बना लेता है, ऐसा परिवार तैयार कर लेता है ब्राह्मणों का कि उसको किसी का आधार लेने की दरकार नहीं है। जो बेगर होगा उसको घर-घर, दरवाज़े-दरवाज़े जाकरके चक्कर काटना ही पड़े। क्या? नहीं काटेगा तो उसका काम नहीं चलेगा। और जो बेगर टू प्रिंस बन जाए तो प्रिंस जो है वो सिर्फ एक का आधीन होगा या सारी प्रजा के आधीन होगा? (किसी ने कहा – एक के आधीन) एक शिवबाबा दूसरा न कोई। किसी को.....और दूसरे आधीन बने तो बने, वो किसी के आधीन होने वाला नहीं है।
The year 1977 was the year of perfection and count five years from that year. You come to which year? (Someone said: 83) Yes, it comes to 82, eighty two, i.e. by the time the year 1982 arrives, he prepares such a fort of gathering, he prepares such a family of Brahmins that he does not need to take anybody's support. The one who is a beggar will have to go to every home, every door. What? If he does not visit (every home and door) he cannot perform his task. And the one who transforms from a beggar to a prince? Will a prince remain under just one or under all the subjects? (Someone said: Under one) One Shivbaba and no one else. Anyone… Others may become subordinates, but he is not going to accept the subordination of anyone.


Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

तो ये 83 की बात है। वो 5 इयर प्लान जो भ्रष्टाचारी गवर्मेन्ट के हैं वो तो बार-बार 5 इयर प्लान शुरू होते रहते हैं। एक प्लान 5 वर्ष का खत्म हो गया, फिर दूसरा प्लान, फिर तीसरा प्लान। अभी भी 5 इयर प्लान उनका चालू है। और ईश्वर तो भगवान बाप तो आकर ऐसा 5 इयर प्लान बनाते हैं जो एक ही बार में तुम बेगर टू प्रिंस बन जाते हो। समझ में नहीं आया? अरे एक आदमी सर हिला रहा है बाकी सब बैठे हैं चुपचाप। और? और 108 जो भी बनने वाले हैं, जब तक बेगर नहीं बनेंगे, तब तक फुल प्रिंस भी नहीं बन सकते।

So, it is about the year (19)83. Those five year plans of the unrighteous government keep repeating after every five years. When one five-year plan ends, the second one starts, then the third plan starts. Even now their five year plan is going on. And God the Father comes and prepares such a five year plan that you transform from a beggar to prince in one plan. Did you not understand? Arey, one person is nodding his head and the rest are sitting silently. What else? And those who are going to become (beads of the garland of) 108; until they become beggars they cannot become full prince.

**जिज्ञासुः** बाबा ये बेगर बनने का कायदा क्या है?

**बाबाः** जैसे चलाओ वैसे चलें। तन, मन, धन सब ? (तेरा)। तन तेरा, धन तेरा, मन तेरा, समय तेरा, सम्पर्क तेरा, संबंधी तेरे। सब कुछ तेरा, कुछ नहीं मेरा। नहीं अभी समझ में नहीं आया?

**Student:** Baba, what is the rule for becoming a beggar?

**Baba:** We should follow whatever way He wants us to follow. Everything including the body, mind, wealth is? (Belongs to you). The body is yours, the wealth is yours, the mind is yours, the time is yours, the contacts are yours, the relatives are yours. Everything belongs to you. Nothing is mine. No. Did you not understand yet?

**जिज्ञासुः** बाबा, जगन्नाथ का काटा हाथ क्यों दिखाया गया है?

**बाबाः** तो क्या हुआ? जब परीक्षा होगी 108, 16108 और 8 के नम्बर डिक्लेयर होंगे तो जो पहले नंबर डिक्लेयर होगा उसका कोई सहयोगी रह जायेगा? जो पहला, दूसरा नंबर डिक्लेयर होगा, अगर अंत तक उसकी परीक्षा ही न हो, निश्चयबुद्धि की, तो पहला नम्बर, दूसरा नम्बर डिक्लेयर कैसे होगा? जो दूसरा नम्बर होगा उसकी भी परीक्षा तो वही होनी चाहिए जो पहले नम्बर की परीक्षा हुई है। नहीं समझ में आया? क्यों? नष्टोमोहा स्मृतिर्लब्धा। किससे नष्टोमोहा? अपने तन से भी नष्टोमोहा। तुम बच्चे आये हो जान हथेली पर लेकर। इसका क्या मतलब हुआ? मुरली के महावाक्य का अर्थ क्या हुआ? तुम बच्चे आये हो जान हथेली पर लेकर। लो बाबा, ले लो। तो तन तेरा हो गया ना। धन भी तेरा।

**Student:** Baba, why has *Jagannath* been shown with his hands cut-off?

**Baba:** So, what happened? When the test takes place, when the 108, 16108 and 8 are declared, then will the one who is declared as the number one have any helper? Hm? The one who is declared as the first, second number, if he is not examined till the end, if his faith is not examined, then how will the first number, the second number be declared? The second number should also face the same examination that the first number has faced. Did you not understand? Why? *Nashtomoha smritirlabdha. Nashtomoha* (detached) from whom? *Nashtomoha* from their body as well. You children have come taking your life in your hands. What does it mean? What

is the meaning of this great sentence of Murli? You children have come taking your life in your hands. Take Baba, take. So, the body is yours, isn't it? The wealth is also yours.

**जिज्ञासुः** बाबा, जगन्नाथ के हाथ नहीं माना?

**बाबाः** हाथ माना भुजाएं। कोई सहयोगी न रहा। जो बेटा होता है उसके ऊपर आज के लौकिक बापों को बड़ा नाज़ होता है - मेरा बेटा। बेटी कहीं बड़े घर में ब्याह दी जाये, करोड़पतियों के घर में, तो बड़ा नाज़ हो जाता है, मेरी बेटी, मेरा दामाद। तो भुजाएं कट गईं। कट गईं का मतलब? उन भुजाओं को काट-काट करके महाकाली ने अपनी लज्जा ढांक ली। वो सहयोगी सब कट गये। सब चले गये उसकी लज्जा बचाने के लिए।

**Student:** Baba, what is meant by Jagannath is without hands?
**Baba:** Hands means arms. He does not have any helper. Today's fathers feel very proud of their sons: My son! If the daughter is married off to a big home, to the home of millionaires; then they feel very proud: my daughter, my son-in-law! So, the arms were cut-off. What is meant by cut-off? Mahakali cut-off those arms and covered her honor. All those helpers were cut-off. All of them went to save her honor.

**जिज्ञासु-** बाबा, बाबा ने मुरली मे बोला है, कुछ भी हो जाये बाप को नही भूलना।

**बाबा-** कुछ भी हो जाये बाप को नही भूलना। ठीक है।

**जिज्ञासु-** बाबा ने किस आधार से ये पॉइंट बोला है?

**बाबा-** इस आधार पर बोला है की अपना पूरा सच्चा पोतामेल देनेवाला कोई कोटों पुरुषार्थियों मे एक है। उसके लिए बोला कुछ भी हो जाये बाप को जरूर सच्ची बात बताना। क्या? बाप से नही छुपाना। फिर कोई भी परिस्तिथी आ जाये तो बाप जिम्मेवार । और बातें और परिस्तिथियाँ तो बहुत आयेंगी।

**Student**: Baba, Baba has said in a murli, whatever may happen, do not forget the Father.
**Baba:** Whatever may happen, do not forget the Father. Yes, that is correct.
**Student:** On what basis did Baba say this point?
**Baba:** He said this on the basis that the one who gives his complete true *potamail* is one among million *purusharthis* (those who make spiritual efforts). It was said for him: whatever may happen, tell the truth to the Father. What? Do not hide it from the Father. Then whatever circumstances come, the Father is responsible. And, a lot of issues and circumstances **will** come.

**समयः 55.30-56.30**

**जिज्ञासुः** जितना आदमी है, जितना नारी-पुरुष है उन सबका चेहरा, मुँह की जो चेहरा है वो अलग-अलग क्यों हैं?

**बाबाः** इसलिए है कि अलग-अलग संस्कार हैं। संस्कार अगर एक हो जाएं तो चेहरे भी एक हो जाएं। जुडवां बच्चों के चेहरे कैसे होते हैं? (जिज्ञासु – एक जैसे) नहीं, बिल्कुल एक नहीं होते। वजन में भी अंतर होता है। उमर में भी अंतर होता है। तो थोड़ा चाल ढ़ाल में भी। लेकिन मोस्टली जो जुडवां बच्चे होते हैं उनका रूप रंग चाल ढ़ाल मोस्टली एक जैसी होती है। क्यों होती है? कि उनके अनेक जन्मों के संस्कार मिल करके एक हो गये, तो एक होते हैं। संस्कार


Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

अगर एक हो जायें तो चेहरे मोहरे भी सबके एक जैसी हो जाएं? संस्कार अलग-अलग हैं तो चेहरे मोहरे भी अलग-अलग हैं। अरे मनुष्यों की तो बात ही छोड़ दो। जो पेड पौधे हैं.....

**Time: 55.30-56.30**

**Student:** Why are the faces of all the men and women different?

**Baba:** It is because they have different *sanskars*. If their *sanskars* become one, then their faces will also become one. What are the faces of twins like? (Student: similar) No, they are not completely similar. There is a difference in weight. There is a difference in the age as well. And in their walking style too. But mostly the form, colour and walking style of twins is similar. Why is it so? It is because their *sanskars* of many births have become equal; therefore they are similar. If the *sanskars* become equal, then everybody's faces will also become alike. If the *sanskars* are different, then the faces are also different. Arey, leave alone the topic of human beings. Even the trees and plants …..

**समयः 58.40-01.00.10**

**जिज्ञासुः** संगमयुग में वाल्मीकी कौन?

**बाबाः** मुरली में बोला है – अपनी-अपनी कथा कहानी शास्त्रों में लिख दी है। क्या? जो भी शास्त्र बनाये हैं शास्त्रकारों ने, उन शास्त्रकारों ने उन शास्त्रों में अपनी कथा कहानी लिख दी है। इसका मतलब क्या हुआ? कि चाहे वो वाल्मीकी हों और चाहे वो तुलसीदास हों, अगर रामायण शास्त्र लिखा है द्वापरयुग में वाल्मीकी ने और वो ही रामायण शास्त्र लिखा है कलियुग में तुलसीदास ने। तो वो आत्मा कौन है? वो ही राम वाली आत्मा। अपना हीरो पार्टधारी पार्ट जो है उन्होंने अपनी अपनी महिमा कर दी है अपने शास्त्र लिख करके। अब समझ में आ गया? अरे ये भाई तो बैठे-बैठे बाप का पार्ट खोल रहा है। (किसी ने पूछा – अपना पार्ट कब खुलेगा?) हां, जो बाप की महिमा करेगा, बाप की महिमा में बुद्धि लगी रहेगी तो उसकी महिमा बाप कर देगा। सन शोज़ फादर, फादर शोज़ सन।

**Time: 58.40-01.00.10**

**Student:** Who is *Valmiki* in the Confluence Age?

**Baba:** It has been said in the Murlis : everyone has written his own story in the scriptures. What? All the scriptures that the writers of scriptures have written, those writers have written their own story in those scriptures. What does it mean? Whether it is *Valmiki* or *Tulsidas*; if *Valmiki* has written Ramayana in the Copper Age and if *Tulsidas* has written the same scripture, Ramayana in the Iron Age, then who is that soul? The same soul of Ram. His role as a hero actor, he has praised his own part by writing his scripture. Did you now understand? Arey, this brother is sitting and revealing the parts of the Father. (Someone asked: When will our parts be revealed?) Yes, he who praises the Father, he whose intellect remains busy in the Father's glory will be glorified by the Father. The son shows the Father, the Father shows the sons.

…………………………………………………………………………………………………

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.



Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info